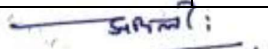


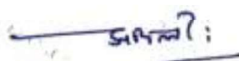
भाग-अ, परिचय Part A Introduction			
कार्यक्रम : स्नातकोत्तर पत्रोपाधि Program : Postgraduate Diploma	कक्षा (Class) : एम.ए. द्विवार्षिक (M.A. 2 years)	सत्रार्द्ध : द्वितीय Semester : II	सत्र (Session) : 2025-26
विषय (Subject) : नव्यव्याकरण			
1	पाठ्यक्रम का कूट (Course Code)	PGT-VVNY-25	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक (Course Title)	(EESC) शब्दार्थविज्ञानं भाषाविज्ञानम्	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार (Course Type) {Core Course/ VAC(EESC)}	विषय VAC (EESC)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (if any)	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से द्विवार्षिक स्नातकोत्तर प्रथम सत्रार्द्ध परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियाँ (Course Learning outcomes) (CLO)	<ol style="list-style-type: none"> <li>वेदाङ्ग शिक्षा ग्रन्थों का परिचय।</li> <li>शुद्ध प्रयोग करने का सामर्थ्य का विकास।</li> <li>अनुवाद में कुशलता।</li> <li>भाषाविज्ञान के सामान्य ज्ञान।</li> <li>शोधसम्बन्धी लेखन कला का विकास।</li> </ol>	
6	क्रेडिट मान (Credit Value)	2	
7	पूर्णांक (Total Marks)	Max. Marks: 100	Min. Passing Marks: 40
भाग-ब, पाठ्यक्रम की विषय वस्तु Part B- Content of the Course			
<p>व्याख्यान की सम्पूर्ण सङ्ख्या (प्रतिसप्ताह एक कालांश) Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 1 सम्पूर्ण व्याख्यान काल- तीस घण्टे (30 hours) L-T-P: 1-0-0</p>			
इकाई (Unit)	शीर्षक (Topics)	व्याख्यान संख्या No. of Lectures 1 घण्टा (1 Hour Each)	

अध्यक्ष  
व्याकरण विभाग  
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.  
उज्जैन (म.प्र.)

1	<p>नारदीयशिक्षा (प्रथम से चतुर्थ कण्डिका पर्यन्त)</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. सात स्वरों का परिचय</li> <li>2. वैदिक और लौकिक स्वरों का सामञ्जस्य</li> <li>3. स्वरों के उत्पत्ति स्थान</li> <li>4. स्वरों के वर्णों और पशु-पक्षियों उच्चारण से तुलना</li> </ol>	06
2	<p>नारदीयशिक्षा (पञ्चम से अष्टम कण्डिका पर्यन्त)</p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. स्वरों के अधिष्ठाता देवता</li> <li>2. स्वर और ऋषियों का सम्बन्ध</li> <li>3. स्वरों के स्वरूप</li> <li>4. स्वरों के छन्द और कुल</li> </ol>	06
3	<p>गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम्</p> <p>पाठ-समीक्षा (Textual Criticism): प्राचीन ग्रंथों की प्रतियों में लिपिकारों द्वारा की गई सूक्ष्म गलतियों को पहचानना।</p> <p>शाब्दिक विश्लेषण: वाक्यों में संधि या प्रत्यय संबंधी उन दोषों को ज्ञात करना तथा परिमार्जन करना।</p> <p>शास्त्रार्थ (Debate): प्रतिपक्षी के तर्कों में निहित सूक्ष्म तार्किक दृष्टिकोण से विचार करना।</p>	06
4	<p>भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय एवं परिभाषा</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• भाषा की परिभाषा</li> <li>• भाषाविज्ञान का स्वरूप</li> <li>• भाषाविज्ञान के अंगों का सामान्य ज्ञान <ul style="list-style-type: none"> <li>▪ ध्वनिविज्ञान (Phonetics/Phonology)</li> <li>▪ पदविज्ञान (Morphology)</li> <li>▪ वाक्यविज्ञान (Syntax)</li> <li>▪ अर्थविज्ञान (Semantics)</li> </ul> </li> </ul>	06
5	<p>भाषा की उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्तों का सामान्य ज्ञान</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• दिव्य उत्पत्ति सिद्धान्त</li> <li>• धातु सिद्धान्त</li> <li>• अनुकरण सिद्धान्त</li> <li>• श्रम-ध्वनि सिद्धान्त</li> </ul> <p>भाषाओं का वर्गीकरण</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• आकृतिमूलक वर्गीकरण (Morphological Classification): <ul style="list-style-type: none"> <li>○ अयोगात्मक</li> <li>○ योगात्मक</li> </ul> </li> <li>• पारिवारिक वर्गीकरण (Genealogical Classification)</li> </ul>	06

  
 अध्यक्ष  
 व्याकरण विभाग  
 म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.  
 उज्जैन (म.प्र.)

<b>कुञ्जिका शब्द/सङ्केत सूत्र (Keywords/Tages) : शिक्षा, भाषाविज्ञान, शुद्धप्रयोग:</b>		
<b>भाग-स, अनुशंसित अध्ययन संसाधन (Part C-Learning Resources)</b>		
<b>पाठ्यपुस्तकें, सन्दर्भ ग्रन्थ, अन्य संसाधन (Text Books, Reference Books, Other resources)</b>		
<b>अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्यसामग्री-</b>		
<ul style="list-style-type: none"> <li>• नारदीय शिक्षा (सटीक): सम्पादक - डॉ. ब्रजबिहारी चौबे, कात्यायन वैदिक साहित्य प्रकाशन, होशियारपुर।</li> <li>• नारदीय शिक्षा (भट्ट शोभाकर कृत 'शिक्षा-विवरण' व्याख्या सहित): चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।</li> <li>• शिक्षा-संग्रह: (विभिन्न शिक्षा ग्रंथों का संकलन), मुद्रक - बनारस संस्कृत सीरीज।</li> <li>• वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी – भट्टोजी दीक्षित (प्रथम भाग)</li> <li>• संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास – युधिष्ठिर मीमांसक (दो भागों में विस्तृत विवरण)</li> <li>• संस्कृत भाषाविज्ञान – डॉ. सत्यकाम वर्मा</li> <li>• भाषाविज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी</li> <li>• संस्कृत भाषा का भाषाशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी</li> <li>• तुलनात्मक भाषाशास्त्र – डॉ. मंगलदेव शास्त्री</li> </ul>		
Suggestive digital platforms/ web links-		
<b>अनुशंसित-समकक्ष-ऑनलाइन-पाठ्यक्रम</b>		
<b>Suggested equivalent online courses:</b>		
1. <a href="http://Sanskrit.inira.fr/">Sanskrit.inira.fr/</a>		
2. <a href="http://learnsanskrit.cc/index">learnsanskrit.cc/index</a>		
3. <a href="http://sanskrit.samskrutam.com">sanskrit.samskrutam.com</a>		
4. <a href="http://swayam.gov.in">swayam.gov.in</a>		
<b>भाग- द, अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Part D-Assessment and Evaluation)</b>		
<b>अनुशंसित मूल्याङ्कन विधि (Suggested Continuous Evaluation Methods) : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघूत्तरीय प्रश्ननिर्माण द्वारा होगी</b>		
पूर्णाङ्क (Maximum Marks) : 100		
विश्वविद्यालयीय परीक्षाङ्क (University Exam) (UE): 100 Marks		
<b>बाह्य मूल्याङ्कन (External Assessment) :</b> : 03:00 विश्वविद्यालयीय परीक्षा University Exam Section समय: (Time) : 03.00 घण्टा (Hours)	अनुभाग अ – पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न <b>Section(A) : 5 Very Short Questions</b> अनुभाग ब – पाँच लघूत्तरीय प्रश्न <b>Section (B) : 5 Short Questions</b> प्रत्येक दो सौ शब्द (200 words) अनुभाग स – पाँच दीर्घोत्तरीय प्रश्न	100

  
**अध्यक्ष**  
 व्याकरण विभाग  
 म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.  
 उज्जैन (म.प्र.)

	<b>Section (C) : 5 Long Questions प्रत्येक पाँच सौ शब्द (500 words)</b>	
<b>Any remarks/ suggestions:</b>		

प्रश्नः  
अध्यक्ष  
व्याकरण विभाग  
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.  
राजौन (म.प्र.)